

00593

**M.Ed. SPECIAL EDUCATION (MEDSE)**

**Term-End Examination**

**June, 2012**

**MMDE-071 : PSYCHO-SOCIAL AND  
EDUCATIONAL IMPLICATION OF CHILDREN  
WITH VISUAL IMPAIRMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 75*

---

*Note : Both Part 'A' and Part 'B' is compulsory.*

---

**PART - A**

*Write short notes on any three of the following questions (1 to 5) from Part A. Each question carries 5 marks.*

1. Does curriculum play a significant role in instruction process of "Deaf-blind" ? Justify your answer.
2. Explain the process of seeing through the human eye.
3. Enlist the roles of school in eye-care education.
4. Distinguish between subjective and objective effects of blindness.
5. How is hyperopia caused ? How can it be managed ?

## PART - B

*Attempt four (4) questions in all from Part B. Each question carries 15 marks.*

6. "The accuracy of bending the light rays to focus on the retina depends on the integrity of several structure in the eye" - Discuss in detail with diagrammatic representation.
7. Elucidate the factors influencing the psychosocial development of person with visual Impairment.
8. Explain about comprehensive welfare approach services and benefits offered by the Govt. to individuals with visual impairment.
9. Discuss symptoms of children with learning disabilities; suggest strategies for remediation.
10. Explain briefly the "Deaf-blind" nature of disability. What is the perspective of deafblindness when compared to isolated challenges of blind and deaf individuals ?
11. Enumerate various teaching strategies adapted for educating the visual impaired. Enlist different materials useful in the training of the visually Impaired children.

OR

What adaptation you can make to improvise the teaching methodology to meet the needs of students with visual impairment having associated condition of mental retardation ?

---

एम.एड. विशेष शिक्षा (एम.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.एम.डी.ई-071 : दृष्टिबाधित बच्चों पर मनो-सामाजिक तथा  
शैक्षणिक प्रभाव

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 75

निर्देश : 'खण्ड - अ' तथा 'खण्ड - ब' दोनों अनिवार्य हैं।

खण्ड - अ

खण्ड अ में से किन्हीं तीन प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. क्या पाठ्यक्रम "बाधिरान्धता" के निर्देशन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है? अपने उत्तर को न्यायोचित सिद्ध करें।
2. मानव नेत्र के माध्यम से देखने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
3. दृष्टि-सुरक्षा शिक्षा में विद्यालय की भूमिका को सुचीबद्ध करें।
4. दृष्टिबाधिता के व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ प्रभावों के मध्य अन्तर स्थापित कीजिए।
5. दूर दृष्टिदोष होने के कारण तथा इसकी रोकथाम के उपाय बताएँ।

## खण्ड - ब

खण्ड-ब में कुल चार (4) प्रश्न करें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

6. "रेटीना में फोकस करने हेतु रोशनी का झुकाव नेत्र की विभिन्न बनावटों के तालमेल पर निर्भर करता है।" सचित्र व्याख्या करें।
7. दृष्टिबाधितों के मनो-सामाजिक विकास को बढ़ावा देने वाले तत्वों पर प्रकाश डालें।
8. दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु सरकार से दी जाने वाली सेवाओं एवं व्यापक कल्याणकारी उपागम सेवाओं की व्याख्या कीजिए।
9. अधिगम अक्षम बालकों के लक्षणों पर चर्चा कीजिए तथा उनके निदान हेतु विभिन्न नीतियों का सुझाव दीजिए।
10. निः शक्तता के "बाधिरान्धता" प्रवृत्ति की संक्षिप्त विवेचना कीजिए। दृष्टिबाधित तथा श्रवणबाधित बच्चों की पृथक चुनौतियों की तुलना में बाधिरान्धता की चुनौतियों के क्या परिदृश्य होते हैं।
11. दृष्टिबाधितों को शिक्षित करने के लिए विभिन्न अनुकूलित शैक्षिक नीतियों की व्याख्या कीजिए। दृष्टिबाधित बच्चों के प्रशिक्षण में उपयोगी विभिन्न सामग्रियों को सूचीबद्ध कीजिए।

### अथवा

मानसिक मन्दता की सहायक स्थिति वाले दृष्टिबाधित छात्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आप शिक्षण विधि में किस प्रकार अनुकूलन करेंगे ?